

I, therefore, urge upon the Central Government to rush to provide assistance to Kerala and sanction an assistance of at least Rs. 200 crores to meet the drought situation.

(iii) Bank loans to people of Gujarat whose houses were destroyed in recent cyclone.

SHRI NAVIN RAVANI (Amreli) : With a view to bringing relief to those whose houses were damaged or destroyed during the cyclone which hit certain parts of Gujarat mainly the districts of Amreli, Bhavnagar and Junagadh, the Central & State Governments have promptly made arrangements for relief and have through the R.B.I. instructed nationalised Banks to provide housing loans to the affected persons on easy terms.

It is, however, observed that the progress of the Banks in giving loan is not at all satisfactory. In urban areas most of the applications for loans have been rejected on technical grounds. The situation in rural areas is still worse. Hardly an application for loan has been sanctioned in the rural areas.

The plight of these unfortunate people can well be realised that they with their little ones are still under the scorching sky and when rain sets in, which is not far off, their plight will be aggravated.

I need not over-emphasise the matter because the Finance Minister had personally visited the affected areas and seen for himself the sad conditions under which these people are living.

I, therefore, request the hon. Finance Minister kindly to issue necessary instructions for the grant of loans so that the relief work can be undertaken immediately.

(iv) Need to improve the functioning of telephones at Mathura, Uttar Pradesh.

श्री दिगम्बर सिंह (मथुरा) : श्रीमन्, मथुरा नगर में टेलीफोन का डायल सिस्टम हो गया है। मथुरा में टेलीफोन की व्यवस्था असाधारण रूप से खराब है। अधिकतर टेलीफोन इसलिये खराब रहते हैं। मैं दो टेलीफोन

इसलिए रखता हूँ कि एक खराब होगा तो दूसरे से काम चल जायेगा। लगभग दोनों ही खराब रहते हैं। कभी दिल्ली से मथुरा बात करना चाहता हूँ तो बहुदा नहीं हो पाती। जनता को बहुत परेशानी है। वहाँ के एस० डी० ओ० टी० तो मेरे किसी पत्र का उत्तर तक नहीं देते। मैंने 24.2.83 को महाप्रबन्धक दिल्ली को पत्र लिखा। अपने 3 मार्च, 1983 के पत्र में लिखा कि उन्होंने मेरा पत्र लखनऊ के टेलीफोन महाप्रबन्धक को भेज दिया है।

मैं नहीं समझता कि मुझे क्या करना चाहिये ताकि मथुरा नगर और मेरी समस्या हल हो और यह भी पता लगे कि एस० डी० ओ० टी० मथुरा संसद सदस्य की शिकायत पर भी क्यों ध्यान नहीं देते।

कृष्ण जन्म भूमि में जनता भगवान से अपने कष्ट दूर करने की प्रार्थना करने आती है। मैं उस पवित्र नगरी की ओर से अपनी प्रार्थना सरकार से करता हूँ कि वहाँ की टेलीफोन व्यवस्था को ठीक करने की कृपा करें।

14.00 Hrs.

(v) Working the Telegraph and Telecommunication services in the country.

प्रो० अजित कुमार मेहता (समस्तीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, बड़ा अच्छा हुआ, चौधरी दिगम्बर सिंह जी के बाद मुझे भी उसी समस्या पर बोलना पड़ रहा है।

मैं दूर-संचार की अकार्यकुशलता को सरकार की जानकारी में लाना चाहता हूँ। यह मेरा और अन्य अनेक व्यक्तियों का अनुभव रहा है कि जो ट्रंक-काल बुक की जाती है, उनके मिलने में काफी समय लगता है और वह ट्रंक-काल भी ट्रंककाल अधिकारियों को कई बार याद दिलाए जाने के बाद मिलती है। बहुधा ये ट्रंक-काल बिल्कुल नहीं मिलते। टेलीफोन एक्सचेंज से जब सम्पर्क किया जाता